link. There is no new proposal under consideration.

वर्षा जल का उपयोग

1607. **श्री राम नरेश यादव** : क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने वर्षा जल के उपयोग हेतु कोई योजना तैयार की है; यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और

(ख) आठवीं पंचवर्षीय योजना में ऐसी कितनी योजनाओं को क्रियान्वित किये जाने की संभावना है ?

जल संसाधन मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) देश में 4000 घन किलोमीटर वार्षिक वृष्टि होती है, जिसमें से नदियों में उपलब्ध औसत वार्षिक प्रवाह लगभग 1850 क्यूबिक किलोमीटर है । स्थलाकृतिक जल-वैज्ञानिक और अन्य बाधाओं के कारण, वार्षिक पुनर्भरणीय भूजल संसाधनों के अतिरिक्त, जो लगभग 450 क्यूबिक किलोमीटर है, उपयोज्य सतही जल का मूल्यांकन 690 क्यूबिक किलोमीटर किया गया है । राज्य सरकारें उपयोज्य जल का उपयोग बढ़ाने के लिए वृहद, मध्यम और लघु सिंचाई स्कीमों का कार्यान्वयन कर रही हैं । उपयोज्य जल के उपयोग में वृद्धि करने के लिए कुओं से सिंचाई और लघु सिंचाई कार्यों को बढ़ावा देने के अतिरिक्त अब तक पूरे देश में कुल 263 वृहद सिंचाई परियोजनाएं 1104 मध्यम सिंचाई परियोजनाएं प्रारंभ की गई है । अब तक 83 वृहद परियोजनाएं और 777 मध्यम सिंचाई परियोजनाएं पूरी की गयी हैं । इस समय कुल 1140 क्यूबिक किलोमीटर उपयोग मात्रा में से 552 क्यूबिक किलोमीटर जल के उपयोग का निर्धारण किया गया है ।

उपयोज्य जल की उपलब्धि को अधिकतम बढ़ाने के लिए सरकार से अधिशेष जल वाले क्षेत्रों से जल की कमी वाले क्षेत्रों में जल के अंतरण के लिए एक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य तैयार किया है, जिसमें दो घटक अर्थात् हिमालयाई नदी विकास घटक और प्रायद्वीपीय नदी विकास घटक सम्मिलित किए गए हैं । राष्ट्रीय जल विकास अधिकरण, प्रत्येक घटक में वृहद्ध नदियों का अन्त सम्पर्क करने पर विस्तृत अध्ययन करने में लगा हुआ है । प्रायद्वीपीय नदी विकास घटक में 17 जल अन्तरण सम्पर्कों में से जल अन्तरण सम्पर्कों पर अध्ययन पहले ही पूर्ण किए गए हैं और प्रारम्भिक व्यवहार्यता रिपोर्टें संबंधित राज्य सरकारों को सहमति हेतु भेजी गयी हैं । शेष जल अन्तरण सम्पर्कों के लिए अध्ययन आठवीं योजना में पूर्ण किए जाने का कार्यक्रम है । हिमालयायी घटक पर भी अध्ययन हाल ही में प्रारम्भ किए गए हैं । जहां वर्षा होती है वहां उसका जल संरक्षित करने एवं उसका उपयोग करने के लिए जल विभाजक विकास कार्यक्रम अलग से प्रारम्भ किए गए हैं । किन्तु वाष्पीकरण और वनस्पति हानियों और नदी भूभाग का अनुरक्षण करने के लिए नदी में जल की कुछ मात्रा प्रवाहित करने की आवश्यकता के कारण वर्ष जल का पूर्ण उपयोग करना संभव नहीं है ।

(ख) आठवीं पंचवर्षीय योजना प्रस्तावों को अंतिम रूप नहीं दिया गया है ।

इंदिरा गांधी नहर परियोजना

1608. **श्री रणजीत सिंह** : क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि निर्माणाधीन इंदिरा गांधी नहर परियोजना का समस्त कार्य सन 2004 तक पूरा कर लिए जाने का प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इस परियोजना के पूरा होने में अनपेक्षित विलम्ब होने के कारण पिछले वर्षों में इसकी निर्माण लागत बढ़ गयी है ;

(ग) यदि हां, तो अब तक कुल कितने प्रतिशत बढ़ोतरी हो चुकी है;

(घ) क्या सरकार ने भविष्य में इस परियोजना के निर्माण में और विलम्ब न होने देने के लिए सावधानी के तौर पर कुछ कदम उठाए हैं ; और

(ङ) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और इस परियोजना के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए अभी कितनी और धनराशि की आवश्यकता अनुमानित है ?

जल संसाधन मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) राज्य सरकार ने आकलन किया है कि निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन परियोजना के पूरा करने का समय 10वीं योजना तक बढ़ जाने की संभावना है ।

(ख) समय के साथ परियोनाओं की लागत में वृद्धि होना एक सामान्य घटना है जल मार्गों को पक्का करने के निर्माण से परियोजना के कार्य-क्षेत्र में बदलाव, परियोजना कार्यकलापों के एक भाग के रूप में सड़कों, बाजरों, पेयजल आपूर्ति, वनरोपण और अन्य कमान विकास कार्यों जैसे अन्य विभिन्न कारणों से भी इंदिरा गांधी नहर परियोजना की लागत बढ़ गयी है ।

(ग) राज्य सरकार ने नहर और कमान क्षेत्र विकास कार्यों तथा जल मार्गों को पक्का करने के वास्ते संशोधित अनुमान को अंतिम रूप नहीं दिया है ।

(घ) नहर और कमान विकास कार्यों के लिए समय समय पर इस परियोजना को प्रदान की गयी उदार केन्द्रीय सहायता निम्नवत है :—

करोड़ रुपए

	सातवीं योजना के अंत तक	1990-91	1991-92
1. कमान क्षेत्र विकास के लिए केन्द्रीय प्रायोजित स्कीम के अंतर्गत जल मार्गों के लिए	45.60	10.99	14.12
2. नहर कार्यों के लिए			
(क) अग्रिम योजना सहायता	45.00	—	—
(ख) सूखा राहत सहायता	20.00	—	—
(ग) सीमा क्षेत्र विकास अनुदान	60.70	28.60	27.80
नहर कार्यों के लिए कुल	125.70	28.60	27.80

(ङ) राज्य सरकार द्वारा परियोजनाओं का संशोधित अनुमान प्रस्तुत करने के बाद ही परियोजना को पूरा करने के लिए निधियों की भावी आवश्यकताओं के संबंध जाना जा सकेगा ।

नहरों को जोड़ने के लिये राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी द्वारा किया गया सर्वेक्षण

1609. श्री आर० के० पोद्दार :

श्री राम जेठमलानी :

क्या **जल संसाधन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कुछ नदियों को एक दूसरे से जोड़ने के उद्देश्य से राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी द्वारा एक विस्तृत अध्ययन किया गया हैं ;

(ख) यदि हां, तो उक्त अध्ययन में शामिल देश की नदियों के नाम क्या है, जिनको प्राथमिकता के आधार पर एक दूसरे से जोड़ने का प्रस्ताव किया गया है ;

(ग) क्या एजेंसी ने नदियों को एक दूसरे से जोड़ने की प्रस्तावित परियोजना की कोई प्रारम्भिक रूपरेखा तैयार कर ली हैं; और